

साप्ताहिक

मोर्निंग

सच के साथ...

शुभांशु के साथ अंतरिक्ष में हैं अलग देशों के 10 मिशन साथी

नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना के टुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर कदम रखकर इतिहास रच दिया है। वह न केवल भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री बने हैं, बल्कि पहले ऐसे भारतीय हैं जिन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच कर तिरंगे को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि इस समय शुभांशु के साथ अंतरिक्ष में मौजूद बाकी 10 लोग कौन हैं और वहां क्या जिम्मेदारियां निभा रहे हैं? शुभांशु शुक्ला एक्सओ स्पेस के एक्स-4 मिशन के तहत स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। इस मिशन में उनके साथ तीन और अंतरिक्ष यात्री हैं: अमेरिका की अनुभवी पैगी व्हिटसन, पोलैंड के वैज्ञानिक उजानव्स्की (पोलैंड): मिशन स्पेशलिस्ट विंशिनव्स्की, हंगरी के इंजीनियर टिबोर कपु। इनके अतिरिक्त अंतरिक्ष स्टेशन पर पहले से ही एक्सपेडिशन 73 की स्थायी टीम के सात सदस्य मौजूद हैं। यह दल नासा, ईएसए, जापान और रूस की रोस्कोस्मोस एजेंसी से ताल्लुक रखते हैं।

अमेरिका की पैगी व्हिटसन हैं मिशन की कमांडर

भारत के सात वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन कर रहे हैं शुभांशु

सूक्ष्मजीव विज्ञान और मानव फिजियोलॉजी पर होंगे कई अहम प्रयोग

एक्स-4 मिशन के प्रमुख यात्री और उनकी भूमिकाएं

- **शुभांशु शुक्ला (भारत) : मिशन पायलट**
उत्तर प्रदेश के लखनऊ से ताल्लुक रखने वाले शुभांशु एक अनुभवी फाइटर पायलट हैं। उन्होंने 3,000 घंटे से अधिक विभिन्न लड़ाकू विमानों में उड़ान भरी है।
- **भूमिका:** मिशन पायलट के रूप में यान की दिशा, स्पीड और डॉकिंग पर नजर रखते हैं। साथ ही, वे भारत के सात वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन भी कर रहे हैं, जिनमें अंतरिक्ष, सूक्ष्मजीव विज्ञान और मानव फिजियोलॉजी शामिल हैं।
- **पैगी व्हिटसन (अमेरिका): मिशन कमांडर**
स्पेस में 675 दिनों तक रह चुकी यह अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री इस मिशन की प्रमुख हैं।
- **विशेष:** वह अंतरिक्ष यान 'वेस' की कप्तान हैं और सभी गतिविधियों का समन्वय करती हैं।
- **स्लावोश उजानव्स्की (पोलैंड): मिशन स्पेशलिस्ट**
पोलैंड के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में स्लावोश का यह मिशन ऐतिहासिक है।
- **भूमिका:** यूरोपीय वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन, उपकरणों का परीक्षण।
- **टिबोर कपु (हंगरी): मिशन स्पेशलिस्ट**
सोवियत युग के बाद हंगरी से पहले अंतरिक्ष यात्री हैं।
- **फोकस:** माइक्रोबैक्टी में मटेरियल साइंस और जैविक अनुसंधान।



आईएसएस की स्थायी टीम के सदस्य और काम

आईएसएस पर पहले से तैनात 7 सदस्यीय दल एक्सपेडिशन 73 कहलाता है। ये मिशन संचालन, वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी निगरानी की जिम्मेदारी निभाते हैं।

- निकोल आयर्स (नासा): तकनीकी विशेषज्ञ माइक्रोबैक्टी प्रयोग और स्टेशन मेंटेनेंस में दक्ष।
- ऐनी मैकक्लेन (नासा): रैम्य इंजीनियर और पायलट स्पेसवाक और स्टेशन प्रबंधन में अहम भूमिका।
- जॉनी किम (नासा): डॉक्टर, पूर्व नौसेना अधिकारी

विक्रिप्ता परीक्षाओं और स्वास्थ्य निगरानी में सहयोगी।

- ताकुरा ओमिशि (जेएसएसए): जापानी वैज्ञानिक जापान के प्रयोगों में सक्रिय सहभागिता।
- किरिल पेस्कोव (रूस): अनुभवी कॉस्मोनॉट

रूसी मॉड्यूल और सिस्टम की निगरानी।

- सर्गेई रियाड्कोव (रूस): मिशन लीडर
- रूसी अंतरिक्ष अभियानों का संचालन।
- एलेक्सी जुबिन्स्की (रूस): इंजीनियर तकनीकी और वैज्ञानिक उपकरणों की निगरानी में योगदान।

भारत ने पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाकर किया था तबाह आतंकी लॉन्च पैड्स को फिर से खड़ा कर रहा पाक, आईएसआई कर रही फंडिंग

नई दिल्ली

भारतीय सेना ने मई में जिन आतंकी लॉन्च पैड्स को तबाह कर दिया था, उन लॉन्च पैड्स और आतंकी ट्रेनिंग कैंपों को पाकिस्तान भारी फंडिंग देकर एक बार फिर खड़ा करने में जुटा है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाक सरकार इन आतंकवादी दांचों को दोबारा खड़ा करने में लगे हुए हैं। खासकर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और उससे लगे इलाकों में।

खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के आतंकी संगठन और आईएसआई एलओसी (एलओसी) के पास घने जंगलों में हाई-टेक और छोटे-छोटे आतंकी कैंप बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे निगरानी और हमलों से बच सकें, यह कदम भारतीय सेना के उस अभियान के बाद उठाया गया है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), हिजबुल मुजाहिदीन और द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों को तबाह कर दिया गया था।

इस बार बड़े कैंपों को छोटे-छोटे कैंपों में विभाजित करने की रणनीति



रिडेवलप किए जा रहे चार लॉन्च पैड्स : खुफिया एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि आईएसआई अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार चार लॉन्च पैड रिडेवलप कर रही है। ये लॉन्च पैड मसरूफ़ बड़ा माई, चराल, लूनी और शकरगढ़ में मौजूद ड्रोन सेंटर हैं।

दोबारा खड़े किए जा रहे आतंक के अड्डे

जिन कैंपों को दोबारा बनाया जा रहा है, वे लूनी, पुतवाल, टाहपू पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चराल, फॉरवर्ड कहा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में स्थित हैं। जानकारी के मुताबिक, अब इन शिविरों को उच्चत तकनीकों से लैस किया जा रहा है ताकि वे थर्मल इमेजर, फोलिएज पेनिट्रेंटिंग रडार और सैटेलाइट से बचाव कर सकें, वहीं पाक सेना और आईएसआई पीओके में मौजूद 13 लॉन्चिंग पैड्स को दोबारा से रिडेवलप कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, ये लॉन्चिंग पैड कैल इलाके, शारदी, दुयनियाल, अथमुगम, जूरा, लीपा वेली, पछिबन चमन, तन्डुपानी, नयाली इलाके, जनकोट, चकोटी, निकेल, फारवर्ड कहुता में मौजूद हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान चार आतंकी लॉन्च पैड्स को इंटरनेशनल बॉर्डर पर भी दोबारा से सक्रिय करने में जुटा है। ये वो लॉच पैड्स और पाक रेंजर्स की रेगुलर पोस्ट हैं जिनको **BSF** ने ऑपरेशन सिंदूर के समय ध्वस्त कर दिया था।

उपलब्धि : टीकाकरण में मिसाल बना भारत, सिर्फ 0.06 फीसदी बच्चे वंचित; वैश्विक स्तर पर कई देशों से स्थिति बेहतर

नई दिल्ली

मिशन इंद्रधनुष और शून्य-खुराक कार्यक्रमों टीकाकरण जैसी योजनाएं सक्रिय और समावेशी ढंग से लागू करके भारत पूरी दुनिया में मिसाल बनकर उभरा है। वर्ष 2023 में देश की कुल आबादी में शून्य खुराक बच्चों का आंकड़ा 0.11 फीसदी था जो 2024 में घटकर 0.06 फीसदी पर पहुंच गया। सरकार ने इस उपलब्धि पर खुशी जताने के साथ हर बच्चे तक टीकाकरण सुविधा पहुंचाने के अपने अभियान में तेजी लाने की प्रतिबद्धता भी जताई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में यह उपलब्धि भारत को वैश्विक उदाहरण के तौर पर स्थापित करती है, जैसा संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह ने अपनी 2024 की रिपोर्ट में माना भी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के तहत ऐसे बच्चों को शून्य-खुराक की श्रेणी में रखा जाता है, जो विभिन्न कारणों से निवृत्त टीकाकरण से वंचित हैं और जिन्हें डीटीपी (डिथीरिया-टिटनेस-पर्टुसिस) की पहली खुराक भी नहीं मिली है। मंत्रालय ने कहा, ज्यादा से ज्यादा बच्चों को टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए हम प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता का लाभ उठा रहे हैं।

लखनऊ

दानवीर भामाशाह जयंती और व्यापारी कल्याण दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जातिगत विभाजन पैदा करने वालों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जाति के नाम पर समाज को बांटने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने सत्ता में रहते हुए

माफियाओं के सामने नाक रगड़ते थे जाति के नाम पर बांटने वाले, एक रहोगे तो नेक रहोगे: सीएम योगी



माफियाओं के सामने नाक रगड़ी और सरकार को गिरवी रख दिया था। उन्होंने कहा कि ये लोग पहले नौकरी के नाम पर

लखनऊ

वसूली करते थे, अब जाति के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं इसलिए मैं कहता हूँ कि बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो नेक रहोगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सबसे ज्यादा राजस्व कर देने वाले व्यापारियों को भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद को शिकागो धर्म सम्मेलन में भेजने के लिए मैसूर के राजा चामराजेन्द्र वाडियार और

दुनिया में पहली बार... फैक्ट्री से बिना ड्राइवर मालिक के घर पहुंची टेस्ला कार

टेक्सास

अमेरिकी ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन ऐतिहासिक कार लॉन्च की है। टेस्ला की यह 'मॉडल वाय' कार फुली ऑटोनॉमस (खुद चलने वाली) है।

अमेरिका के टेक्सास स्थित फैक्ट्री से डिलीवरी के बाद बिना ड्राइवर या ऑपरेटर के खुद चलकर ग्राहक के घर पहुंची। कार को शुरुआती कीमत 34 लाख बताई गई।

116 किमी प्रति घंटा की स्पीड

इस फुली सेल्फ-ड्राइविंग इलेक्ट्रिक कार की डिलीवरी टेक्सास में की गई। टेस्ला ने एक्स (पूर्व में टिक्टर) पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कार को ट्रैफिक सिग्नल, पैदल यात्रियों और वाहनों को पहचानते हुए नेविगेट करते देखा गया। टेस्ला के ऑटोपालाट हेड अशोक एलुस्वामी के अनुसार, कार ने इस दौरान 72 मील प्रति घंटा (116 किएमपीएच) की टॉप स्पीड भी हासिल की।

कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन पर लॉन्च की ऐतिहासिक कार



72 मील प्रति घंटा की हासिल की टॉप स्पीड भी

टेस्ला ने एक्स पर शेयर भी किया वीडियो

मॉडल वाय की कीमत और वेरिएंट

- लॉन्च: पहली बार मार्च 2019
- कीमत की शुरुआत: \$40,000 (लगभग 34 लाख)
- टॉप वेरिएंट (परफॉमेंस): \$60,000 (लगभग 51 लाख)
- वेरिएंट: रियर व्हील ड्राइव, लॉन्ग रेंज, परफॉमेंस



टेस्ला रोबोटैक्स सेवा भी शुरू : टेस्ला ने 22 जून से ऑस्टिन में अपनी रोबोटैक्स सर्विस की शुरुआत की है। हालांकि, इन कारों में अभी सुरक्षा के लिए एक एक्सपर्ट मौजूद रहता है। रोबोटैक्स की प्रति सवारी \$4-20 (लगभग 364)रुपए चार्ज करती है। ऑस्टिन में सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक यह रोबोटैक्स उपलब्ध रहती है। एलन मस्क जल्द ही यह सेवा को अमेरिका के दूसरे शहरों में लॉन्च करने जा रहे हैं।



10 साल की मेहनत का नतीजा एलन मस्क ने बताया कि यह 10 साल की अथक मेहनत का परिणाम है। हमारी एआई और चिप डिजाइन टीम ने यह सब इन-हाउस तैयार किया है। टेस्ला की सेल्फ-ड्राइविंग कारें एआई, कैमरे, सेंसर, रडार, लिडार और डिप लर्निंग एल्गोरिथ्म का इस्तेमाल कर काम करती हैं।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

भारत की दो टूक



शुशील कुमार सिंह प्रधान साप्ताहक

लेकिन उसने हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। भारत के रुख से उसे झटका लगा है। संयुक्त बयान जारी न होना बड़ी नाकामी है। बलुचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का रूप देकर पाकिस्तान वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को छिपाना चाहता है। वह भारत पर झूठे आरोप लगाकर अंतरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरने की पुरानी रणनीति पर चल रहा है। वहीं चीन, जो खुद शिनच्यांग में उइगुर मुस्लिमों के खिलाफ दमनकारी नीतियों के लिए बदनाम है, पाकिस्तान की इसी भाषा का समर्थन कर रहा है। दोनों को ही पता है कि आतंकवाद पर होने वाली किसी भी बात का सिरा पाकिस्तान तक ही पहुंचेगा। चीन ऐसा नहीं होने दे सकता, क्योंकि भारत के खिलाफ इस्लामाबाद उसका मोहरा है। एससीओ की स्थापना इसलिए की गई थी, ताकि सोवियत संघ के विघटन के बाद इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। इस समूह का प्राथमिक लक्ष्य है - आपसी सहयोग से एक-दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दूर करना। लेकिन, चीन और पाकिस्तान ने एससीओ की इस मूल भावना के विपरीत काम किया है। अपने तुच्छ हितों के लिए उन्होंने ऑर्गनाइजेशन के मकसद को भुलाकर कूटनीतिक संकट पैदा कर दिया। संयुक्त बयान को आतंकवाद के मुद्दे से भटका कर चीन और पाकिस्तान ने संगठन की विवशनीयता व उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतों से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। एससीओ इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा।

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, 'कार्यस्थल पर गर्मी: सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ' में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हथियार है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रही है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टैपेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं। इस धक्के, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएँ हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों की हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है। थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईईब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी जिले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं। 'लेबरिंग थू द क्लाइमेट क्राइसिस' नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स क्लाइमेटव फॉर क्लाइमेट जर्नल - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी



या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएँ। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्परेचर इंडेड ब्लूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नौद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएँ और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है।

गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आईएलओ की 2019 की रिपोर्ट 'वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेटइव इम्पैक्ट ऑफ़ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क' में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियाँ खोनी पड़ सकती हैं। विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी

गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विश्वेशों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतितावी कदम उठाएँ, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो यानी एनपीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देशों जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा हानिमान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। इसकी पुष्टि अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने अपनी नई रिपोर्ट इंड्रेशोरिंग सेफ्टी एंड हेल्थ एव वर्क इन चेंजिंग क्लाइमेटइव में भी की है। रिपोर्ट का कहना है कि अपने जीवन में काम के दौरान किसी न किसी मोड़ पर 241 करोड़ श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसका मतलब है कि दुनिया के 71 फीसदी श्रमिकों को कैंद कर बढ़ते तापमान की वजह से गर्मी की मार झेल रहे हैं या उन्हें अपने काम के दौरान कभी न कभी इसका सामना करना पड़ेगा। एनपीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएच के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके।

हमारे टाइगर को देख रहे थे—मानो कह रहे हों, ओ रे बाबू, तू बड़ा आदमी बन गया रे! टाइगर ने तुरंत भौंकना शुरू कर दिया। और उन दोनों ने शर्म से सिर झुका लिया, जैसे इंटरव्यू में फेल हो गए हों। मैंने मेजबान से पूछा, ये उनके पीछे क्यों भौंकता है? मेजबान ने कहा, वो तो इसकी रोज की आदत है। मैंने कहा, वलासिक केस है—सफलता के बाद रिश्तेदारों से मुँह मोड़ना! रात को टाइगर चुपचाप पड़ा था। पास में ही दोनों सड़कियां कुत्ते फिर से आ गए और मोहल्ले में भीकने लगे। अक्षर्य यह कि टाइगर भी उनके साथ आवाज मिलाने लगा। लगा जैसे भीकना यूनिजन की हड़ताल हो और टाइगर उसमें मोर्चा संभाले। मैंने कहा, वाह, ये तो राजनीतिक कुत्ता निकला। सुहृद पूँजीवादी, रात को सर्वहारा। टाइगर की भौंक अब मुझे आंदोलन लगने लगी। पर अपनी सुबह जो दृश्य देखा, उसने आत्मा को रुला दिया। टाइगर गेट के बाहर पड़ा था, लंग्रुलान। दोनों आकार कुत्तों ने उसकी धुआई कर दी थी—जैसे कह रहे हों, 'अबे गद्दार, भौंकता

विचार

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

- ललित गर्ग -

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पड़ोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में मुरझा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रुक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रुकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कड़ुता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भरसना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई। चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अंतर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने की तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरात भरें तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा।



भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने अप्रिसरन सिंदूर की तार्किकता को बतया और पहलगाम में आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तत्त्वज्जी न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मछली एवं दौंगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि

आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? अमेरिका को दिया था। पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूबों को

लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलुचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रमक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कारार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दशा पर आश्चर्य होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा।

लोक कथा

बादशाह पर जुर्माना

डॉ. रश्मिशौल

एक बार रात्रि के समय बादशाह औरंगजेब सोने ही जा रहे थे कि शाही घंटी बज उठी। बादशाह शयनकक्ष से बाहर आये। उन्हें एक दासी आती दिखाई दी। वह बोली, "हुजुरे आलम! काजी साहब आलमपनाह से मिलने के लिए दीवान खाने में तशरीफ लाये हैं और आपका इन्तजार कर रहे हैं।" औरंगजेब फौरन दीवानखाने पहुँचे। काजी ने उन्हें बताया, "जहांपनाह, गुजरात जिले के अहमदाबाद शहर के एक मुहम्मद मोहसीन ने उन पर पाँच लाख रुपये का दावा ठोका है। अतः कल आपको दरबार में हाजिर होना होगा।" काजी के चले जाने पर औरंगजेब विचार करने लगा कि उसने तो किसी से पाँच लाख रुपए उधार नहीं लिए हैं। स्मरण करने पर भी उसे याद नहीं आया। इतना ही नहीं, मुहम्मद मोहसीन नामक व्यक्ति को भी वह न पहचानता था। दूसरे दिन दरबार लगा और मुजरिम के रूप में औरंगजेब हाजिर हुआ। सारा दरबार खवाखव भरा हुआ था और तिल रखने को भी जगह न थी। औरंगजेब को उसके जुमू का थोरा भौंक सुनाया गया। बात यह थी कि औरंगजेब के भाई मुराद को गुजरात लिला सीमा गया था। शाहजहाँ जब बीमार पड़ा तो उसने स्वयं को ही गुजरात का शासक घोषित कर दिया। उसे स्वयं के नाम के शिक्के जारी करने के लिए धन की जरूरत हुई तब उसने मुहम्मद मोहसीन से पाँच लाख रुपए उधार लिए थे। इस बीच औरंगजेब ने हिकमत कीर - के शाहजहाँ को कैद कर लिया तथा अपने तीन भाइयों - मुराद, दारा और शुजा को कल कर उन तीनों की संपत्ति अपने खजाने में जमा कर ली। इस तरह मोहसीन से लिया गया धन भी उसके खजाने में जमा हो गया। औरंगजेब ने अपने अपराध के प्रति अनभिज्ञता जाहिर की। मोहसीन ने अपने पास मौजूद दस्तावेज दिखाया। औरंगजेब ने जुर्म कुबूल कर लिया और शाही खजाने से पाँच लाख रुपए निकलवा कर जुर्माना अदा किया।



हमारे साथ है, पर दिखावा करता है अमीर बनने का!" मालिक बोले, और वो निकल गया। दोनो कुत्ते घात में थे। मैंने कुत्ते की तरफ देखा। उसकी आँखों में पश्चाताप था—मानो कह रहा हो, काश मैं अपनी आँकात नहीं भूलता। उसकी चुप्पी में एक गहरी पुकार थी—मैं अब जान गया हूँ, मैं कौन हूँ। अब वह भौंक भी नहीं रहा था, बस कभी-कभी कराहता था, जैसे कह रहा हो—'बैवफाई की सजा मिली है, मालिक... पट्टे को भगवान समझ लिया था।' लौटते समय

मेरा मन भारी था। टाइगर को देखा—उसकी आँखें भीनी थीं, मेरी भी। शायद वह कहना चाह रहा था, सिरस्ट में मुझे ये बताया, मैं कौन था, ये भूल दिया। और मैंने सिर झुका लिया। पीछे से दो सड़कियां कुत्ते फिर आ गए थे, वे चुपचाप देख रहे थे। वे अब नहीं भौंक रहे थे। शायद कह रहे हों—अब ये हमारा है। अब ये भौंकता नहीं, सोचता है। और मैं बुदबुदाया—भौंकने से आदमी बड़ा नहीं होता...कभी-कभी चुप्पी उसकी जात बता देती है।

लघुकथा

अदला-बदली



तीरन्द बहादुर सिंह

सरिता जब भी श्रेया को देखती, उसके ईर्ष्या भरे मन में सवाल उठता, एक इसका नसीब है और एक उसका। क्या उसका नसीब उसे नहीं मिल सकता? सरिता के छोटे से फ़्लैट की बालकनी से श्रेया का भव्य बैंगला बहुत सुंदर दिखाई देता था। वह जान भी पति के साथ मोटरसाइकिल से निकलती, श्रेया के बैंगले की पार्किंग एरिया में खड़ी बीएमडब्ल्यू पर नजर उसकी नज़रें चिपक जातीं। अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए श्रेया खुले हाथों से पैसے खर्च करती थी। ट्रिप किए बाल, नियमित फेशियल, पेडिक्योर, मेनिक्चर, सब कुछ संपूर्ण। सिर से ले कर पैरों तक सब कुछ व्यवस्थित और सुंदर। जबकि सरिता के मर्यादित बजट में यह सब कहीं से हो पाता। उसके बिखरे बाल, उसमें बीच-बीच में सफेद बाल। वह मेहँदी तो लगाती थी, पर कभी समय न मिलता तो काले बालों के बीच सफेद बाल झूँकने में बिलकुल पीछे नहीं रहते थे। साग-सब्जी काटते-काटते हाथों की अंगुलियों की चमड़ी खुरदुरी हो गई थी। खुद बरतन मॉजने से नाखूनों का रंग और आकार अजीब हो गया था। अगर श्रेया के यहाँ की तरह उसके यहाँ भी नौकरों की फौज होती तो उसका भी सिर से ले कर पैरों तक अलग ही नक्शा होता। पर उसके भाग्य में तो कुछ और ही। कहीं श्रेया के डिजाइनर कपड़े और कहीं उसके साधारण कपड़े, इस्त्री किए कपड़े पहनने का आनंद ही कुछ और होता है, घंटों इस्त्री पकड़ने वाले सरिता के हाथ उससे कहते। रविवार को किसी टेलिया या पर चाट-पकोड़ी या समोसे-कचौड़ी खा कर लौटते हुए सरिता यही सोचते हुए अपार्टमेंट की सीढ़ियाँ चढ़ रही होती कि बीएमडब्ल्यू में फाइवस्टार होटल की लज्जत ही कुछ और होती है। श्रेया का शरीर हमेशा सोने और हीरों के गहनों से सजा होता था। समय समय पर वे बदलते रहते थे। जैसे कपड़े, वैसे आभूषण। जबकि सरिता को विवाह के समय जो मंगलसूत्र मिला था, वही एक महत्त्वपूर्ण गहना था। सोना खरीदने की औकात नहीं थी, इसलिए चाँदी पर सोना चढ़वा कर दिल को संतोष मिल जाता था। पर श्रेया को देख कर सरिता के दिल का संतोष लुप्त हो जाता और मन ईश्वर से एक ही सवाल पूछता, श्रेया का भाग्य उसे नहीं मिल सकता क्या?

और अगर मिल जाए तो . . . तमाम इंद्रधनुषी सपने आँखों में तैरने लगने। शाम को जब पड़ोस में रहने वाली हिमांशी ने बताया कि सामने वाले बैंगले में रहने वाली श्रेया को ब्लड कैंसर है और लास्ट स्ट्रेज में है। तब से सरिता भगवान से यही प्रार्थना कर रही है कि उसके भाग्य में जो है, वही ठीक है। प्लोज अदला-बदली मत कीजिएगा।

फरुखाबाद से लापता बालिका का शव मैनपुरी में बरामद

मैनपुरी पहुंचे परिजनो ने लगाया दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। फरुखाबाद जनपद के एक गांव में बुआ के घर से लापता हुई आठ वर्षीय बालिका का शव शनिवार की सुबह भोगांव थाना क्षेत्र के गांव देवीपुर स्थित खेत में पड़ा मिला। जानकारी मिलने के बाद

वारदात से इलाके में फैली सनसनी, बालिका की गुमशुदगी पर पुलिस कर रही थी तलाश

पहुंचे परिजनों ने दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी गणेश प्रसाद साहा फरिसिक और फील्ड यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फरुखाबाद पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने बालिका की मौत का कारण जानने के लिए शव



पोस्टमार्टम को भिजवाया है। फरुखाबाद जनपद के थाना कायमगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी आठ वर्षीय बालिका तीन जून को मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के एक गांव में रह रही अपनी बुआ के यहां आई

थी। रोजाना की तरह शुक्रवार की सुबह वह बुआ के बच्चों के साथ खेत पर लगे पेड़ों से आम तोड़ने गई थी। वहां से बालिका नीम करारी मंदिर में दर्शन करने की बात कह कर चली गई। देर शाम तक जब

बच्चों के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई
एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। फरुखाबाद पुलिस को पीएम रिपोर्ट सौंप दी है। बच्ची का शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। फरुखाबाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। भोगांव पुलिस भी पूरा सहयोग कर रही है।

बालिका घर नहीं पहुंची तो परिजनो ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी बालिका का कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनो ने मोहम्मदबाद थाने में बालिका की गुमशुदगी दर्ज कराई पुलिस भी रात भर संभावित स्थानों पर बालिका की तलाश में जुटी रही।

छोटी खबरें

थाना समाधान दिवस में एक शिकायत निस्तारित



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसीलदार अरविंद गौतम, सीओ कुरावली सच्चिदानंद और इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान सहित कानूनगो व लेखपाल मौजूद रहे। थाना क्षेत्र से अपनी समस्याएं लेकर थाना समाधान दिवस में आए शिकायतकर्ताओं द्वारा कुल छह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए। इनमें पांच मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे, जबकि एक मामला पुलिस विभाग से जुड़ा था। पुलिस से संबंधित मामले का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। थाना समाधान दिवस शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संचलन हुआ। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर समस्याओं को गंभीरता से सुना और समाधान के निर्देश दिए।

बौद्ध महाबोधि बुद्ध बिहार को मुक्त करवाकर ही रहेंगे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। तहसील भोगांव क्षेत्र के गांव जसरजपुर के निकटवर्ती जनपद फरुखाबाद के संकिसा राजघाट स्थित वाईबीएस सेंटर परिसर में महाबोधि महाविहार मुक्ति के लिए एक दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन वाईबीएस सेंटर पर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपासक आकाश लामा जनरल सेक्रेटरी ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम ने भाग लिया, सभा की अध्यक्षता भिक्षु डॉ. चंद्रकीर्ति, भिक्षु डॉ. उपेन्द्र थेरो ने की तथा इसके संयोजक सुरेश बौद्ध रहे। मुख्य अतिथि और अध्यक्षता कर रहे भिक्षु व संयोजक ने तथागत भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति के सामने मौमवती जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाश लामा ने कहा कि जब मस्जिद का संचालन मुसलमान, गुरुद्वारा का संचालन सिख और चर्च का संचालन ईसाईयों द्वारा किया जाता है। तो बौद्धों के प्रमुख तीर्थ स्थल बोध गया का संचालन बौद्धों को क्यों नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के चिंतन शिविर पूरे देश में आयोजित किए जायेंगे। अंतिम सांस तक बौद्ध महाबोधि बुद्ध बिहार को मुक्त करवाकर ही रहेंगे। भिक्षु डॉ. चंद्रकीर्ति ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को बीटी एक्ट 1949 को तत्काल से समाप्त करना पड़ेगा, अन्यथा की स्थित में पूरे देश में भिक्षु उपासक आमरण अनशन करेंगे। बौद्ध समुदाय भी उसी सरकार को चुनौती जो इस एक्ट को समाप्त करेगा।

बांछित को तमंचा सहित गिरफ्तार किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में बांछित चल रहे थाना बेवर क्षेत्र के ग्राम चन्दनपुर निवासी राहुल यादव पुत्र रमेश चन्द्र यादव को 315 बोर के देशी तमंचे एवं एक जिन्दा कारतूस सहित बन्दी बनाया है।

अज्ञात महिला का शव बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। थाना क्षेत्र के ग्राम आलीपुर खेडा के निकट नहर के समीप एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया है। शनिवार की रात थाना पुलिस को सूचना मिली कि आलीपुर खेडा के निकट नहर पर एक महिला का शव पड़ा दिखाई दिया जिससे ग्रामीणों की भीड़ लग गई। घटना की जानकारी पुलिस को होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कच्चे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। समाचार लिखे जाने तक महिला के शव की शिनाख्त नही हो सकी है।

भोगांव में नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान थड़ाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगांव। दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान पूरी तरह से असफल साबित हो गया है। नगर के ज्यादातर पोंपो पर बिना हेलमेट के ही फ्यूल दिया जा रहा है। ज्ञात हो कि 26 जनवरी से लागू इस अभियान का उद्देश्य था कि बिना हेलमेट पहने किसी भी चालक को पेट्रोल न दिया जाए। हालांकि, शुरुआती कुछ दिनों में प्रशासन और पुलिस ने सख्ती दिखाई, लेकिन धीरे-धीरे यह अभियान दम तोड़ता गया। नगर के कई पेट्रोल पंपों पर अब बिना हेलमेट के भी धड़ल्ले से पेट्रोल दिया जा रहा है। वाहन चालक बहस, दबाव या जान-पहचान का लाभ उठाकर पेट्रोल डलवा लेते हैं। प्रशासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अधिकांश पेट्रोल पंप कर्मचारी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं, और न ही प्रशासन ने उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की। इस अभियान की असफलता के पीछे मुख्य कारण जनजागरूकता की कमी रही न तो नगर में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया और न ही पेट्रोल पंप कर्मियों को इसके लिए प्रशिक्षित या जागरूक किया गया। साथ ही, नियमित निरीक्षण की भी भारी कमी रही, जिससे नियम तोड़ने वालों के हौसले बुलंद हो गए। कुछ दिनों तक पुलिस ने चालान और जुर्माने की कार्रवाई की थी, लेकिन अब वह भी बंद हो चुकी है। वर्तमान स्थिति में हानो हेलमेट-नो फ्यूलड्ड अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि वास्तव में इस अभियान को सफल बनाना है, तो प्रशासन को सख्ती, जनजागरूकता और नियमित निगरानी के साथ दोबारा इसे लागू करना होगा, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मैनपुरी

शनिवार को सुबह मिला बालिका का शव

शनिवार की सुबह करीब 10 बजे के भोगांव थाना क्षेत्र के नगला देवी के ग्रामीण खेतों की तरफ गए तो उन्होंने वहां बालिका का शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद एसपी गणेश प्रसाद साहा, एसपी नगर अरुण कुमार सिंह फारिसिक और फील्ड यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आसपास के गांव में शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया।

परिजनो ने की बालिका की शिनाख्त

बालिका की शिनाख्त के प्रयास पुलिस द्वारा किए जा रहे थे, इस बीच मोहम्मदाबाद थाना पुलिस भी परिजनो के साथ मौके पर पहुंच गई। जहां उन्होंने बालिका के शव की पहचान करते हुए दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए शव पोस्टमार्टम को भिजवाया है। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है।

सीसीटीवी फुटेज से हाथ लगा अहम सुराग

परिजन का कहना है कि बच्ची की तलाश के दौरान नीवकरोरी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर अहम सुराग मिला है। फुटेज से पता चला है कि बच्ची को लगभग 50 साल का एक अवेइ व्यक्ति अपने साथ ले गया था। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति मंदिर के आसपास खाली बोतलें और कबाड़ उठाता है। सीसीटीवी में दिख रहा था कि बच्ची को ले जाने वाला साइकिल को पैदल लेकर आगे-आगे चल रहा था। बच्ची उसके पीछे-पीछे जा रही थी। पुलिस अब इस सदिग्ध की तलाश में जुट गई है।

हत्या कर शव फेंका गया या भोगांव में हुई धिनीनी वारदात

पुलिस अब सीसीटीवी में दिख रहे आरोपी की तलाश में जुट गई है। पुलिस के सामने कई सवाल हैं, जिनका जवाब आरोपी के पकड़े जाने के बाद ही मिलेगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आरोपी ने बच्ची के साथ धिनीनी वारदात कहाँ की, क्या उसने हत्या भी वहीं की और शव को बाद में भोगांव क्षेत्र में खेत में फेंका गया या फिर वारदात को यहीं अंजाम दिया गया।

मजदूरी के विवाद में युवक से मारपीट, दंपति पर भी हमला

ज्ञान से मारने की नीयत से खेत में खींच ले जाकर पीटा, घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को क्षेत्र के ग्राम बलरामपुर में मजदूरी मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। पहले तो ट्रैक्टर मालिक ने युवक की पिटाई कर दी, फिर अगले ही दिन युवक के चाचा-चाची पर घात लगाकर हमला किया गया। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से दोनों को खेत में खींच ले जाकर लाटियों से पीटा। पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

थाना क्षेत्र के गांव वलरामपुर निवासी विमलेश पुत्र राजकुमार ने थाना कोतवाली कुरावली में दी तहरीर में बताया कि वह गांव के ही मोहम्मद जावेद खां का ट्रैक्टर एक वर्ष से चला रहा है। तय मजदूरी 10 हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। वह जब 27 जून को मजदूरी मांगने गया, तो मोहम्मद जावेद आगबबूला हो गया और गाली-गलौज करने लगा। उसके बाद मोहम्मद जावेद, उसकी पत्नी, उसका भाई सोनी व नसीर खां ने मिलकर विमलेश की लाटियों से पिटाई कर दी, जिससे उसका पैर टूट गया। पीड़ित का कहना है कि इस



संबंध में उसने थाने में सूचना दी थी। अगले दिन पुलिस के बुलावे पर जब विमलेश थाने आ रहा था, तो वह रिक्शे में आगे निकल गया और उसके चाचा राजेन्द्र व चाची सरोज देवी पीछे पैदल आ रहे थे। रास्ते में खेत के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपी पक्ष ने उन्हें पकड़ लिया और जान से मारने की नीयत से खेत में खींचकर लाटियों व डंडों से हमला कर दिया। सरोज देवी के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकठ्ठा हो गए, तब जाकर जान बच सकी। विमलेश ने में तहरीर देकर आरोपियों को खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही घायल चाचा-चाची का चिकित्सकीय परीक्षण कराने की भी मांग की है। थाना प्रभारी का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नियमित गौशाला का निरीक्षण करके व्यवस्था देखें अधिकारी

गौसंरक्षण समिति की बैठक में सीडीओ ने अफसरों को दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने जिला स्तरीय गौ-संरक्षण समिति की बैठक में एसडीएम, बीईओ, ईओ नगर निकाय, पशु चिकित्साधिकारियों, नोडल अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र की गौशालाओं का निरीक्षण कर वहां संरक्षित गौवंशों हेतु सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि संचालित गौ-आश्रय स्थलों के सभी अभिलेख अद्यावधिक रहें, गौशालाओं में पर्याप्त मात्रा में भूसा, दाना, पशुओं हेतु दवाइयों का उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए, पशु चिकित्साधिकारी अपने अधीन प्रत्येक गौशाला में प्रतिदिन जाकर पशुओं की देखभाल करें।

उन्होंने समीक्षा के दौरान पथाय कि जनपद में संचालित 52 स्थायी-अस्थायी गौशालाओं में 11575 गौवंश संरक्षित हैं जो निर्धारित क्षमता से काफी अधिक हैं, जिस



पर उन्होंने खंड विकास अधिकारियों से कहा कि जिन क्षेत्रों में अधिक गौवंश गौशालाओं में संरक्षित हैं, वहां अस्थायी गौशालाओं का निर्माण कराकर उनमें गौवंशों को संरक्षित किया जाये, जानकारी करने पर पाया कि गुराई, पतारा, नानामऊ, सोनई, हथपऊ, जखऊआ एवं नगर पालिका क्षेत्र में संचालित वृहद गौशाला टी.ई.पी. नगर में क्षमता से अधिक गौवंश संरक्षित हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश

सहभागिता योजना की समीक्षा कर-के जानकारी प्राप्त करके निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि वर्षा ऋतु के दृष्टिगत गौशाला में संरक्षित गौवंशों को प्राथमिकता पर गला घोट, खुरपाक के टीके लगाए जाएं, किसी भी गौशाला में जल-भराव की स्थिति न रहे, सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों, अधिशासी अधिकारी

नगर निकाय को आदेशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में संचालित गौशालाओं का नियमित रूप से निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. सोमदत्त सहित समस्त खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय, पशु चिकित्साधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सपा सरकार में बने निरीक्षण भवन की दुर्दशा पर भड़के विधायक

चार घंटे धरने पर बैठने के बाद विधायक ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। कटरा समान में सपा सरकार के समय बनाए गए निरीक्षण भवन की बदहाली तथा कर्मचारियों के मौजूद न रहने पर किशनी विधायक भड़क गए और अपने समर्थकों के साथ निरीक्षण भवन में ही धरने पर बैठ गए। चार घण्टे तक धरने पर बैठने के बाद राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंप दिया। एक माह में सुधार न होने पर अपने समर्थकों के साथ अनिश्चित कालीन धरने पर बैठने की चेतावनी दी है। शनिवार को दोपहर किशनी विधायक बृजेश कठेरिया अपने एक सैकड़ा समर्थकों के साथ कटरा (समान) स्थित समान रजवाहे के किनारे बने सिंचाई विभाग के निरीक्षण भवन पहुंचे और धरने पर बैठ गये। विधायक का कहना है कि



सपा सरकार के दौरान काफी मेहनत करके उन्होंने इस निरीक्षण भवन के लिए पैसा मंजूर कराया था। इसके बाद बड़े ही अच्छे तरीके से निरीक्षण भवन का निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा की बड़े ही दुख का विषय है कि भाजपा सरकार के दौरान निरंकुश हुए अधिकारियों ने निरीक्षण भवन की सुधि तक नहीं

ली। यहां सिंचाई विभाग के कर्मचारियों के रहने के लिए आवास भी बनाए गए हैं परंतु सारे आवास खाली पड़े हैं। निरीक्षण भवन में कोई रखरखाव नहीं है। भवन की खिड़कियां और दरवाजे दीमक ने कुतर डाले हैं। पानी की टंकी पर ढक्कन नहीं है। छतों पर घास और पेड़ उगे हैं।

एक माह में सुधार न होने पर अपने समर्थकों के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की चेतावनी

चारों तरफ गंदगी का साम्राज्य व्याप्त

विधायक ने कहा कि चारों तरफ धूल और गंदगी का साम्राज्य निरीक्षण भवन में पसरा हुआ है। उन्हें दुख होता है कि भाजपा सरकार में निरंकुश अधिकारी किस प्रकार सरकारी पैसे का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा की भाजपा की सरकार में अधिकारी अपनी मनमाजी कर रहे हैं। किसान और आम जनता बेहद दुखी है। थाने और तहसीलों में बिना रिश्तत दिए कोई काम नहीं होता है।

पुलिस ने कयया मालखाने में रखी शराब को विनिष्टीकरण

नष्ट कराई गई शराब की अनुमानित कीमत 41.500 बताई गई



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी।

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा द्वारा संचालित माल मुकदमाती शराब विनिष्टीकरण अभियान के अंतर्गत बड़ी मात्रा में मालखाने में रखी अवैध शराब को नष्ट किया गया। थाना कुरावली पर लम्बित विभिन्न अभियोगों से सम्बन्धित कुल 650 लीटर कच्ची शराब व 30 लीटर देशी शराब जिसकी कुल कीमत 41,500 रुपये आंकी गई, उसे विनष्ट किया गया। थाना पुलिस द्वारा न्यायालय को रिपोर्ट प्रेषित की गई थी, जिसके आधार पर न्यायालय ने शराब विनिष्टीकरण का आदेश

परित किया। इसके अनुपालन में शनिवार को तहसीलदार कुरावली अरविंद कुमार गौतम क्षेत्राधिकारी सच्चिदानंद सिंह तथा कोतवाली निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह चौहान अन्य सम्प्रांत नागरिकों की मौजूदगी में शराब को नष्ट किया गया।

अभियान आगे भी रहेगा जारी पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध शराब के विरुद्ध यह अभियान आगे भी प्रभावी रूप से जारी रहेगा। इंस्पेक्टर ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब का धंधा किसी भी स्तर में नहीं होने दिये जायेंगे। इसके खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

तहसीलदार व थाना प्रभारी ने सुनी शिकायतें

दो दर्जन से अधिक आई शिकायतें आधा दर्जन का मौके पर निस्तारण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। शनिवार को थाने पर आयोजित समाधान दिवस में तहसीलदार घासीराम और थाना प्रभारी ललित भाटी ने मौजूद रहकर लोगों की शिकायतों को सुना। इस मौके पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने शिकायतों को दर्ज कराया जिसमें मौके पर आधा दर्जन शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस मौके पर तहसीलदार ने कहा कि देखने में आ रहा

की समाधान दिवस या तहसील पर सर्वाधिक प्रार्थनापत्र पैमाईश को लेकर आ रहे हैं सभी राजस्व टीम तत्काल पैमाईश के मामले निपटायें और ध्यान रहे कि पैमाइस करते समय दोनों पक्षों को मौके पर मौजूद रखें एवं पैमाईश में पारदर्शिता एवं ईमानदारी के साथ करें।

ऐसे मामलों में अगर विवाद की स्थित उत्पन्न हुई तो राजस्वकर्मों को दोषी माना जाएगा। आपसी सामंजस से हल निपटे तो वह भी करा सकते हैं एवं जिस

राजस्वकर्मों का फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य अधूरा पड़ा है उसको जल्द पूरा करे अन्यथा कड़ी कार्यवाही पर उन्हें मजबूर होना पड़ेगा। बरसात में कहीं भी जलभराव न हो पाए इसको लेकर सभी राजस्वकर्मों प्रधानों से संपर्क कर पिछली समस्या को दूर कराए। इस अवसर पर कानूनगो अरविंद यादव, ब्रजेश कठेरिया, लेखपाल राजेश शाक्य, रवि यादव, गंभीर यादव, स्वदेश कुमार, रुचि यादव आदि मौजूद रहे।

हूटर लगाकर जा रही स्कॉर्पियो का काटा चालान



मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। यातयात निचमों का पालन न करना और हूटर लगाकर चलने बालों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा अभियान शुरू कर दिया है।

शनिवार को थाना प्रभारी ललित भाटी दोपहर दो बजे समान कटरा जा रहे थे कि देवीगंज के पास एक स्कॉर्पियो पर लगे हूटर देखकर पुलिस ने गाड़ी को रकवाया और

कारण पूछा कि ये क्यों लगा रखे है और चालक सहित कोई भी सीट बेल्ट भी नहीं बांधे था। पुलिस ने कड़ी कार्यवाही करते हुए स्कॉर्पियो का 28 हजार रुपए का चालान कर दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि सभी लोग यातायात निचमों का पालन करे सीटबेल्ट और हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। आए दिन सड़कों पर दुर्घटनाएं हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सिंचाई विभाग के जेई को हड़काया

मौके पर पहुंचे सिंचाई विभाग के जेई अवनती मिश्रा तथा सहायक अभियंता मनोप पाल को हड़काते हुए उन्हें उनकी जिम्मेदारी का एहसास दिलाया। चार घंटे बाद धरना स्थल पर पहुंचे तहसीलदार घासीराम ने विधायक बृजेश कठेरिया से बात कर उनसे राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन लिया। विधायक ने अधिकारियों को एक माह का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि एक माह के अंदर यदि सुधार नहीं हुआ तो वह अपने समर्थकों के साथ इसी निरीक्षण भवन में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे और तभी उठेंगे जब उनकी समस्त मांगें मंजूर कर ली जाएगी।

विधायक के साथ यह रहे मौजूद

विधायक ने कहा की उन्होंने गलती की है जो विभाग को एक नोटिस भेज दिया था। उनके नोटिस के बाद ही निरीक्षण भवन में साफ सफाई का दौर शुरू हुआ अन्यथा यहां की हालत बहुत खराब थी। इस मौके पर उनके साथ सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव, चैयमैन प्रतिनिध डैनी यादव, मातादीन यादव, विधानसभा अध्यक्ष श्यामकरन शाक्य, विद्याराम मुनीम, विनोद यादव, गौरव दयाल बाल्मीकि, ग्रीश दिवाकर, मुकेश यादव, सुभाष यादव, चंद्रकेश यादव, छबीले यादव, संजीव कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप यादव, जिला पंचायत सदस्य अमित कठेरिया, अभिषेक यादव आदि मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री का सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जिला प्रशिक्षण कार्यालय धनीपुर में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री को दिया जा रहा है प्रशिक्षण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। आंगनवाड़ी सहायिका से आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पद पर प्रतिचयनित 39 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री का 07 दिवसीय प्रशिक्षण जिला प्रशिक्षण कार्यालय धनीपुर में दिया जा रहा है। जिसका उद्घाटन जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय द्वारा किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री प्रशिक्षण में अलीगढ़ जिले की 25 एवं हाथरस की 14 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री द्वारा प्रशिक्षण लिया जा रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनवाड़ी सहायिका से आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री के पद के लिए प्रशिक्षण, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रीओं को उनके काम को बेहतर ढंग से करने और बच्चों और महिलाओं के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए दिया जा

रहा है। यह प्रशिक्षण आमतौर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रीओं को विभिन्न विषयों जैसे कि स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक बचपन शिक्षा, और सामुदायिक जुड़ाव पर जानकारी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रीओं को 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों के शारीरिक, भावनात्मक, और बौद्धिक विकास के विभिन्न चरणों के बारे में जागरूक करना। आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियों जैसे फैंसी ड्रेस, खेल, और स्वस्थ शिशु प्रतियोगिताओं का आयोजन करना। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रीओं को बच्चों और महिलाओं के लिए आवश्यक सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रीओं को समुदाय के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने और उनकी जरूरतों को समझने में मदद करना। प्रशिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी

आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री को उनके काम को बेहतर ढंग से करने और बच्चों और महिलाओं के विकास में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षण होगा सहायक।

—कृष्णकांत राय, डीपीओ

कार्यकर्त्रीओं को बच्चों का विकास, पोषण और स्वास्थ्य, शिशुओं की देखभाल, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं की देखभाल, समुदाय के साथ जुड़ना और सेवाएं प्रदान करना, आंगनवाड़ी केंद्रों का प्रबंधन, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। यह प्रशिक्षण आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को न केवल अपने काम को बेहतर ढंग से करने में मदद करता है, बल्कि समुदाय के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम बनाता है।

सड़क किनारे कहीं पर भी गिट्टी, बालू की बिक्री न हो पाए

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सीडीओ ने दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कहा कि सभी सम्बन्धित अधिकारी मार्ग दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करें, तमाम प्रयासों के बावजूद जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण, एन.एच.ए.आई. के अभियंता से कहा कि एक्सप्रेस-वे, हाई-वे, मुख्य मार्ग पर जहाँ-जहाँ संपर्क मार्ग जुड़े हैं, उन स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाये जाएं।

उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे कहीं भी गिट्टी, बालू की बिक्री न हो, सड़क की पटरी पर मोरम, गिट्टी की बिक्री करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए, सड़क के किनारे रखी गिट्टी, मोरम के जल्दीकरण की कार्यवाही करें, मुख्य

66 सड़क हादसों में 43 ने गंवाई जान

उन्होंने जानकारी करने पर पाया कि माह मई में 66 सड़क दुर्घटनाएं घटित हुईं, जिसमें 43 व्यक्तियों को अपनी जान गंवानी पड़ी जबकि गत वर्ष माह मई में 56 सड़क दुर्घटनाओं में 32 व्यक्तियों को अपनी जान गंवानी पड़ी। एआरटीओ ने बताया कि माह मई तक पुलिस, परिवहन विभाग द्वारा ओवर स्पीड पर 158, बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चलाने पर 11969, बिना सीट बेल्ट पर 969, रोंग साइड पर 643, मोबाइल का प्रयोग करने पर 162 तथा ओवर लोडिंग पर 164, शराब पीकर वाहन का संचालन करने पर 13 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गयी। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आर.सी. गुप्ता, क्षेत्राधिकारी नगर संतोष कुमार, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण ए.के. अरूण, सहायक विद्यालय निरीक्षक रघुराज पाल सिंह, विभिन्न विद्यालयों के प्रबन्धक आदि उपस्थित रहे, बैठक का संचालन सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी शिवम यादव ने किया।

चौराहों के आस-पास कहीं भी सड़क के किनारे अनाधिकृत कब्जे न रहे, अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, चौराहा से अतिक्रमण हटाए जाएं। उन्होंने जिला विद्यालय

निरीक्षक से कहा कि विद्यालयों में गटित रोड सेफ्टी क्लब के माध्यम से छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जाये।

रोली- चंदन से होगा नौनिहालों का स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/भोगवां। रोली है चंदन है और स्कूल में आपका अभिनंदन है। कुछ इस तरीके से परिषदीय स्कूलों में नए प्रवेश लेने वाले बच्चों का सीनियर छात्र स्वागत करेंगे। माथे पर रोली चंदन का टीका लगाकर नवागत छात्रों का अभिनंदन समारोह होगा। स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई की मुख्य धारा व आत्मविश्वास से जोड़ने के लिए शिक्षा विभाग ने यह नई पहल शुरू की है। सभी स्कूलों में अभिनंदन समारोह आयोजित करने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। एक जुलाई से जिले के सभी परिषदीय स्कूलों को विभाग की खोलने की तैयारी है।

बैसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में नए शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्कूल चलो अभियान चल रहा है।

परिषदीय विद्यालयों में सीनियर छात्र करेंगे जूनियर का स्वागत

टीमें गांवों में जाकर बच्चों को बैसिक स्कूलों में ला रही हैं। मगर इन बच्चों को पढ़ाई व स्कूल की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विभाग इनका अभिनंदन समारोह कराएगा। जो नवांगत बच्चे प्रवेश लेकर स्कूल में आएंगे स्कूलों के सीनियर छात्र रोली व चंदन का टीका लगाकर उनका स्वागत कर आसती उतारेंगे। इसके बाद वह उन्हें विद्यालय में भ्रमण कराकर सभी क्रियाकलापों के बारे में बताएंगे। पूरे सम्मान और स्वागत के साथ बच्चों को स्कूलों में प्रवेश कराया जाएगा। विद्यालय में मिड डे मील, निशुल्क पुस्तक वितरण, जुते व मौजे और बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के बारे में वह नवांगत बच्चों को बताएंगे।

डीडीओ की अध्यक्षता में विकास भवन में पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम संपन्न

120 गोद लिए गए क्षय रोगियों को मिला लाभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में शनिवार को पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न जिला स्तरीय एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत संबंधित विभागों द्वारा गोद लिए गए 120 क्षय रोगियों को पोषण पोटली प्रदान की गई, जिससे उनके उपचार और पोषण स्तर में सुधार हो सके।

जिला विकास अधिकारी आलोक आर्य ने कहा कि पोषण क्षय रोगियों

आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के लिए व्यापक तैयारी

मण्डलायुक्त ने मण्डल के सभी डीएम-एसएसपी एवं एसपी को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। आगामी श्रावण मास में 11 जुलाई से 09 अगस्त 2025 तक प्रस्तावित कांवड़ यात्रा के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ के निर्देशन में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार, मथुरा, राजस्थान, रामघाट व हरियाणा की ओर यात्रा करते हैं। इसके साथ ही सांकरा, लहरा, बाजपुर, नरौरा व रामघाट गंगा घाट से जल लाकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं।

मंडलायुक्त ने बताया कि कांवड़ यात्रा मार्गों की विशेष मरम्मत, चौड़ीकरण और बाधा रहित मार्ग सुनिश्चित करने के निर्देश लोक निर्माण विभाग को दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी जिला मजिस्ट्रेट को 5 जुलाई 2025 तक सभी तैयारियां पूरी करने के भी आदेश दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी प्रकार की असुविधा



न हो। संवेदनशील एवं मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ड्रोन कैमरों के जरिए निगरानी के साथ-साथ पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कावड़ यात्रा के दौरान डीजे की ऊंचाई निर्धारित मानक से अधिक न हो। विद्युत विभाग सुनिश्चित करे कि कावड़ यात्रा मार्ग पर झूलते तार और क्षतिग्रस्त विद्युत पोल न हो।

आयुक्त अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ कांवड़ यात्रा के दौरान चिकित्सा सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए 108 एम्बुलेंस सेवा को अलर्ट मोड पर रखा जाए और

प्रमुख मार्गों व थ्रीड्राइव वाले स्थानों पर चिकित्सकों एवं चिकित्सालयों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। पुलिस विभाग को यात्रा मार्गों पर यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की

तैनाती और पेट्रोलिंग बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही बिजली विभाग को सभी यात्रा मार्गों पर स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था दुरुस्त करने एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंडलायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को यात्रा के दौरान आवश्यकानुसार त्वरित कार्रवाई करने और आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। सभी अधिकारियों से अपेक्षा की है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने में कोई कसर न छोड़ें ताकि यह पावन यात्रा जिले की शांति एवं सौहार्द का प्रतीक बने।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले में चलाया गया छापेमारी अभियान

दही, जूस समेत खाद्य तेल के लिए नमूने

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जिले में आम जनमानस को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा पूरे जिले में अभियान चलाकर शनिवार को जांच के लिए नमूने संग्रहीत किये गये। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डा0 दीनानाथ यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि सुदामापुरी लाल जी लस्सी एवं बालाजी जी लस्सी से दही का नमूना, विष्णुपुरी देहली जूस एण्ड सेक से मौसमी जूस का एक नमूना के साथ ही साथ खाद्य तेल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग स्थानों से विभिन्न ब्राण्डों के सरसों के तेल के 6 सर्वे



नमूना संग्रहित कर जाँच के लिए खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किये गये, जिनकी जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के सुसंगत प्राविधानों के तहत अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

छोटी खबरें

युवती को अगवा करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंवारा कोतवाली क्षेत्र से एक युवती को अगवा करने के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। रिपोर्ट में एक गांव की महिला ने बताया कि घटना गत 26 जून की है। उसकी बेटी को गांव की एक लड़की अपने घर बुलाकर ले गई थी, तब से वह वापस नहीं लौटी है। जबकि संबंधित लड़की ने भी उसकी बेटी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। उसने डायल 112 पर पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने संबंधित लड़की से पूछताछ की है, इसमें उसकी बेटी के अगवा होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रीम आर्य के जिलाध्यक्ष बने उमो कुमार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। भीम आर्य को मजबूत करने के उद्देश्य से संगठन के उच्च पदाधिकारियों ने उमेश चंद पर भरोसा करते हुए जिला की कमान सौंपी है। जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर आज़ाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष विशाल कुमार ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समाज हित में सही से काम करने की भी नसीहत दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार की रात्रि गऊपुरा तिराहा मानपुर नगरिया में अज्ञात वाहन ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस द्वारा सीएचसी सोरों ले जाया गया वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम गृह पर 1व को सुरक्षित रखवा दिया है। सोरों थाना प्रभारी जगदीश चंद ने बताया अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। मृतक व्यक्ति की शिनाख्त की जा रही है।

20 क्वार्टर देशी शराब समेत एक गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से एक आरोपी को 20 क्वार्टर देशी शराब समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई की है। गंजडुंडवारा इंस्पेक्टर ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को मामाला पुत्र सुबेदार निवासी नगला पटवारियान को 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह आज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। श्री ब्राह्मण समाज की ओर से ब्राह्मण समाज के हार्डस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों व समाज के प्रतिभाशालीजनों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम रविवार की सायं 4 बजे से श्री कपिल मुनि धर्मशाला गली पटविराज कासगंज में होगा। सम्पन्न के पदाधिकारियों ने समाज के लोगों से समाज के मेधावियों का उत्साहवर्धन व मार्गदर्शन करने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

एसएसडी इंटर कॉलेज में त्रिदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। एसएसडी इंटर कॉलेज में त्रिदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शीर्षक "व्यक्तित्व विकास" रहा। कार्यशाला का उद्घाटन धर्म समाज महाविद्यालय के प्रोफेसर शुभनेश गोयल, महाविद्यालय के बीएड डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर गिरिराज किशोर वाण्येय, विद्यालय प्रबंधक पवन शर्मा ,प्रधानाचार्या अलका अग्रवाल ,उप प्रधानाचार्या शालू वर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यशाला तीन चरणों में आयोजित की गई। उप प्रधानाचार्या शालू वर्मा ने व्यक्तित्व विकास के महत्व को स्पष्ट करते हुए (8+8+8) नियम (8 घंटे नींद, 8 घंटे कार्य और 8 घंटे स्वयं के लिए की) विशेष चर्चा की। उसके बाद अंग्रेजी शिक्षिका गीतिजा जौहरी ने आत्म-चेतना पर प्रकाश डाला कि शिक्षकों में आत्मचेतना के गुण कैसे विकसित किए जा सकते हैं



। हिन्दी प्रवक्ता कीर्ति माथुर ने बताया कि एकता व एकीकरण द्वारा शिक्षक छात्रों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं । दूसरे दिन हिन्दी प्रवक्ता मुनेश शर्मा ने शिक्षक द्वारा बालकों के नैतिक विकास पर योगदान देने को कहा तत्पश्चात जीवविज्ञान शिक्षिका गरिमा जादौन ने शिक्षकों की सीखने की गति को बढ़ाना तथा संघर्ष से पीछे न हटाने की सीख दी। भौतिक विज्ञान प्रवक्ता रवींद्र तिवारी ने आत्म नियंत्रण पर प्रकाश डाला तथा दृढ़

निश्चय पर भगवान राम का उदाहरण दिते हुए बहुत अच्छे से समझाया। विद्यालय प्रधानाचार्या अलका अग्रवाल ने बताया कि भावनात्मक स्थिरता व्यक्तित्व विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बच्चों के संवेगात्मक विकास को सरल बनाया जाए इस विषय पर विस्तार पूर्वक समझाया । तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि गिरिराज किशोर वाण्येय ने बताया कि हृदयर शिक्षक के भीतर एक श्रेष्ठ गुरु होता है ह्। गणित

प्रवक्ता सनी कुमार ने कहानियों के माध्यम से निर्देशित लक्ष्य को प्राप्त करने के गुण सिखाए। प्रबंधक पवन शर्मा ने अपने भीतर की शक्ति को पहचानने , अपनी सोच मे सकारात्मक परिवर्तन लाने , जीवन मे समय प्रबंधन तथा आत्म निर्भरता पर अपने विचार प्रस्तुत किए । भौतिकी शिक्षक आदर्श , पुर्व छात्र विशाल ने अध्यापकों को साइबर सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति



का नाम था "डिजिटल लॉक पैराडॉक्स", जिसमें पूर्व छात्र विशाल ने प्रमुख भूमिका निभाई, जबकि उनके साथ मंच पर थे कॉलेज के भौतिक विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक आदर्श सर। नाटक में दर्शाया गया कि किस प्रकार साधारण सी लापरवाहियां – जैसे कमजोर पासवर्ड, फेक लिंक पर क्लिक करना, या ओपन वाईफाई का उपयोग – हमारी निजी जानकारी को खतरे में डाल सकती हैं। मंच पर

लाइव डेमो, फेक प्रोफाइल, रैनसमवेयर जैसे मुद्दों को सरल भाषा में और हास्य के माध्यम से समझाया गया।

आदर्श सर द्वारा पूछे गए मासूम सवालों और विशाल की तेज-तर्रार शैली ने छात्रों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक – जैसे कमजोर पासवर्ड, फेक लिंक पर क्लिक करना, या ओपन वाईफाई का उपयोग – हमारी निजी जानकारी को खतरे में डाल सकती हैं। मंच पर

शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला में कई गतिविधियाँ, संवाद व विचार-विमर्श हुए, जिसने सभी प्रतिभागियों को नयी ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान की। कार्यशाला मे विद्यालय के सभी अध्यापक अखिलेश शर्मा , नवनीत प्रकाश , ओम प्रकाश , उमा , वंदना , अर्चना , हेमन्त , अजय , रेखा , विकास , शिव , दीन दयाल , रतना , रिंतु , रीना आदि । कुल 102 अध्यापक लाभांशित होकर प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

चंदपुरा में श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली तहसील क्षेत्र के गांव चंदपुरा के सिद्ध बाबा मंदिर पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ है। कथा का शुभारंभ अनुभूति सेवा समिति के प्रेरणास्रोत एडीजी अंशुमान यादव फीता काटकर किया।

परीक्षत अमीर सिंह, गुड्डी देवी, यज्ञपति देवेन्द्र सिंह, सूरगा देवी ने मुख्य अतिथि एडीजी अंशुमान यादव का तिलक कर फूल माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। इसके बाद कथा व्यास समर चैतन्य महाराज ने श्रोताओं का भागवत कथा का महत्व बताया और प्रतिदिन कथा का रसपान कर पुण्य कमाने की अपील की।

समाज पर अभद्र टिप्पणी पर ब्राह्मण कल्याण सभा ने जताया आक्रोश

कहा, इटावा प्रकरण को लेकर जातीय हिंसा भड़काने का हो रहा है प्रयास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। ब्राह्मण कल्याण सभा सोरों ने इटावा प्रकरण को लेकर ब्राह्मण समाज के प्रति की जा रही अभद्र टिप्पणी पर आक्रोश जताया है। शनिवार को संगठन के बैनरतले समाज के दर्जनों लोग कलेक्ट्रेट पर पहुंचे और डीएम को ज्ञापन सौंपकर मामले की जानकारी दी। कोतवाली में भी नामजदों के विरुद्ध तहरीर देकर उन पर अभद्र टिप्पणी कर जिले में जातीय हिंसा भड़काने के प्रयास का आरोप लगाया है।

ब्राह्मण कल्याण सभा द्वारा डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि जिले में अराजक तत्वों द्वारा इटावा प्रकरण को लेकर माहौल खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। दो नामजदों द्वारा सार्वजनिक रूप से ब्राह्मण समाज को लेकर अभद्र टिप्पणी की जा रही है। जिससे समाज में आक्रोश है, जिले में भी

डीएम को सौंपा ज्ञापन, कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की



अशांति पैदा हो सकती है। संस्थापक अध्यक्ष शरद कुमार पांडे ने चेतावनी दी कि अराजक तत्वों पर कार्रवाई नहीं हुई तो ब्राह्मण समाज द्वारा आंदोलनात्मक कदम उठाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार दीक्षित ने भी मामले में कार्रवाई की मांग की। इस दौरान राहुल शर्मा,

शिवानंद उपाध्याय, आशीष भारद्वाज, अतुल निर्भय, सोमदत्त पाठक, उमेश उपाध्याय, गिरांज मिश्रा, अर्जुन मिश्रा, शिव बैदेल, योगेश उपाध्याय, करन पाराशर, राहुल शर्मा, भगवान सहाय मिश्र, हार्दिक वशिष्ठ, सौरभ तिवारी, आलू उपाध्याय, प्रदीप उपाध्याय, जयप्रकाश

त्रिवेदी, हरिओम पचैरी, प्रियांशु मिश्रा, विष्णुकांत तिवारी, हिमांशु पचैरी, कृष्ण कोटेश्वर, अंकित उपाध्याय, गगन कोटेश्वर, हिमांशु मेहरे, विष्णु तिवारी, प्रथम दुबे, गंगा शंकर दुबे, सीताराम, बिट्टू, अमित मिश्रा, अशुल रामलोटा, पवन उपाध्याय मौजूद रहे।

छोटी खबरें

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्राप्त होने वाली जन शिकायतों का जवाब 30 दिवस में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें

हाथरस । सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत प्राप्त होने वाली जन शिकायतों के निस्तारण हेतु जन सूचना अधिकारियों/प्रथम अपीलीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक मा0 राज्य सूचना आयुक्त उ0प्र0 स्वतंत्र प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान मा0 राज्य सूचना आयुक्त ने अधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों, प्रक्रियाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी और अधिनियम के तहत सूचना के अनुरोधों को संभालने और अपील का निस्तारण करने के बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आवेदन अथवा उसके भाग का हस्तांतरण जितना जल्दी संभव हो, कर देना चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि हस्तांतरण करने में आवेदन की प्रति की तारीख से पांच दिन से अधिक का समय न लगे। यदि कोई जन सूचना अधिकारी किसी आवेदन की प्राप्ति के 5 दिन के बाद उस आवेदन को स्थानांतरित करता है तो उस आवेदन के निपटान में होने वाले विलम्ब में से इतने समय के लिए वह जिम्मेदार होगा जो उसने स्थानांतरण में 5 दिन से अधिक लगाया। जन सूचना अधिकारी को सूचना की आपूर्ति अनुरोध की प्राप्ति के 30 दिनों के भीतर कर देनी चाहिए। यदि मांगी गई सूचना का संबंध किसी व्यक्ति के जीवन अथवा स्वातंत्र्य से हो तो सूचना आवेदन की प्राप्ति के 48 घंटे के भीतर उपलब्ध करना अपेक्षित है। प्रत्येक लोक प्राधिकरण से अपेक्षित है कि वह प्रत्येक उप प्राणीय स्तर अथवा अन्य उप जिला स्तर पर सहायक जन सूचना अधिकारी नामित करे जो अधिनियम के अन्तर्गत आवेदनों अथवा अपीलों को प्राप्त कर सके और उन्हें जन सूचना अधिकारी अथवा अपीलीय प्राधिकारी अथवा राज्य सूचना आयोग को अग्रसारित कर सके।

इटावा प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ा दंड मिलना चाहिए - राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ

हाथरस ! राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ रजिस्टर्ड भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा पश्चिमी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंडित रामेश्वर सारस्वत एवं समस्त राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता इटावा घटना की हम निंदा करते हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाए हैं। जिसके आधार पर पुलिस दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है लेकिन फिर भी कुछ लोग इसे जातीय रंग देकर पूरे ब्राह्मण समाज को गाली और धमकियां दे रहे हैं तो हम उन्हें बताना चाहते हैं कि "अगर तुम बिन बजह पूरे समाज को गाली दोगे या ललकारोगे तो ईंट का जवाब पथर से मिलेगा। न्याय की प्रक्रिया को कानून के हिसाब से चलने दिया जाए तो बेहतर होगा। जंगल राज किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा। ब्राह्मण वसुदेव कुटुंबकम की भावना के साथ हर धर्म, जाति, और समुदाय को समान सम्मान देने का कार्य करते हैं '

समाधान दिवस में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने सुनीं जन समस्याएं

हाथरस ’ थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा संयुक्त रूप से थाना हाथरस गेट पर जनसुनवाई की गयी । जनसुनवाई के दौरान उप जिलाधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी नगर श्री योगेन्द्र कृष्ण नरायन, प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट, लेखपाल आदि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे । जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समाधान दिवस में आवे हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना गया । इस दौरान कुछ शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों का समन्वद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया । इस दौरान राजस्व से सम्बन्धित प्रकरणों में पुलिस एवं राजस्व टीम के सहयोग से मामलों के निस्तारण कराने हेतु सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिए गए । पुलिस अधीक्षक म द्वारा प्रभारी निरीक्षक थाना हाथरस गेट को थाने पर आने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ शिट आचरण करने तथा उनकी समस्याओं को सुनकर शीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने हेतु निर्देशित किया गया ।

एक बालक समेत चार लोगों को सर्प ने डसा हाथरस। बरसात के शुरू होते ही क्षेत्र में सांप के काटने की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। पिछले 2 दिन में एक बालक समेत चार लोगों को सांप ने काट लिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की इमरजेंसी सेवा पर इलाज के बाद सभी ठीक हो गए।बताते हैं बारिश में चारों ओर जलभराव होने के कारण सांपों को सूखे स्थान की तलाश होती है। क्षेत्र के गांव चादनपुर निवासी रूपेश पुत्र चंद्रप्रकाश उम्र 30 वर्ष को आज जहरीले सांप ने काट लिया। उसे तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया । जहां चिकित्सकों द्वारा किए गए उपचार से वह ठीक हो गया। गांव खेड़िया कला निवासी नीरजा पत्नी लवकेश उम्र 30 वर्ष, राम लखन पुत्र रामचंद्र निवासी गांव मुगलगढ़ी उम्र 22 वर्ष, मीरा पुत्री सरवन सिंह उम्र 17 वर्ष निवासी गांव कुठिला कासिमपुर इन सभी को भी उनके घरों में सर्प ने डस लिया । ग्रामीण इनको भी तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की इमरजेंसी सेवा पर ले पहुंचे। जहां पर कई घंटों के उपचार के पश्चात इन सभी की जान बच गई । बरसात के चलते ग्रामीण अंचल में सांप तेजी से आबादी की ओर दौड़ रहे हैं । इससे लोगों को सर्प दंश का खतरा पैदा हो गया है । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. राज वर्मा ने लोगों से अपील की है कि वह रात्रि में अंधेरे स्थान पर न जाए तथा घरों में निरंतर रोशनी करते रहें। सर्प के काटने की रक्षा में देसी तथा प्राचिन इलाज के स्थान पर तत्काल उसको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। यहां पर सर्प के काटने का टीका उपलब्ध है।

जनसेवा केंद्र से हुई चोरी का किया खुलासा: दो गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस-1 थाना हाथरस गेट पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम नगला खान स्थित जन सेवा केंद्र से चोरी की घटना करने वाले 2 चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 4000 रुपए व घटना में प्रयुक्त 1 मोटर साइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी ज्ञात रहे किगत 27 जून को जितेंद्र कुमार पुत्र रामगोपाल निवासी गढ़ी गिरधरा द्वारा थाना हाथरस गेट पर सूचना दी कि वह नगला खान में जन सेवा केंद्र की दुकान करता है, जिसमें 22 जून को 2 अज्ञात लोगों द्वारा उसकी दुकान में रखे रुपए लेकर भाग गए थे । पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा चंड घटना का सफल खुलासा करने व घटना करने वाले चोरों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना

गंगा घाट पर सेना, एनडीआरएफ की संयुक्त मौक ड्रिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली के कादरगंज घाट पर गंगा के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ संकट को देखते हुए प्रासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। निवार को कादरगंज गंगा घाट पर सेना, पुलिस और एनडीआरएफ के संयुक्त प्रयास से मौक ड्रिल कर लोगों को बचाव के तरीके बताए गए। इस अभ्यास का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल इलियास खान ने किया।कुछ दिन पूर्व में प्रासन द्वारा माकड्रिल का आयोजन कराया गया था। माकड्रिल के दौरान सेना के जवानों ने हाई स्पीड बोट, जेट बोट्स और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि किस प्रकार बाढ़ के दौरान कम से कम समय में डूबते व्यक्ति को बचाया जा सकता है।मौक ड्रिल के दौरान एक डूबते व्यक्ति को सुरक्षित निकालकर उसे प्राथमिक उपचार भी दिलाया। माकड्रिल की



जानकारी मिलते ही कादरगंज गंगा घाट और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों को बताया गया कि बाढ़ की स्थिति में कैसे सतर्क रहना है और किन सावधानियों को अपनाना है।

आधुनिक उपकरणों से बाढ़ में बचाव का किया अभ्यास, लोगों को बचाव के बताए तरीके

जीवन की रक्षा होती है। हम अब आधुनिक तकनीक से लैस हैं और बेहद कम समय में जान बचाने में सक्षम हैं। आज का अभ्यास इसी तैयारी का हिस्सा है। इस मौके पर एडीएम राकेश पटेल, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारत, एसडीएम प्रदीप कुमार विमल, तहसीलदार जितेंद्र सिंह, सीओ संतोष कुमार, कानूनी पंकज कुमार, लेखपाल विशाल कुमार सहित तमाम प्रासनिक अधिकारी मौजूद रहे। हर साल कादरगंज घाट के आसपास के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में यह मौक ड्रिल प्रासन की गंभीरता और तैयारी का स्पष्ट संकेत है। ग्रामीणों ने भी सेना और प्रासन के इस प्रयास की सराहना की।

पटियाली व गंजडुंडवारा सीएचसी में शुरू हुई एक्सरे सेवा, मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पटियाली और गंजडुंडवारा में लंबे समय से प्रतीक्षित एक्सरे जांच सुविधा को शुरू कर दिया गया है। इससे अब मरीजों को एक्सरे कराने के लिए जिला अस्पताल या निजी चिकित्सा संस्थानों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा।

स्वास्थ्य विभाग की इस पहल से विशेषकर सड़क दुर्घटनाओं, हड्डि में चोट या किसी अन्य गंभीर समस्या से पीड़ित मरीजों को समय पर जांच और इलाज मिल सकेगा। पहले एक्सरे जैसी बुनियादी जांच के लिए लोगों को घंटों सफर करना पड़ता था, जिससे न केवल आर्थिक बोझ बढ़ता था बल्कि समय की भी बर्बादी होती थी।अब यह सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो जाने से मरीजों को त्वरित निदान और उपचार संभव होगा। इस सुविधा स प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए यह एक बड़ी स्वास्थ्य



सुविधा साबित होगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत किया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग का यह कदम ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने की दिशा में एक

सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है। लोगों को उम्मीद है कि इसी तरह अन्य आधुनिक जांच सुविधाएं भी सीएचसी में जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी।

धूमधाम से मनाई सिद्ध पीठ पथवारी माता मंदिर की वर्षगांठ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ नगर के मोहरला नगला शीशगर स्थित सिद्ध पीठ पथवारी माता मंदिर की वर्षगांठ शनिवार को धूमधाम से मनाई गई । मंदिर में भव्य फूल बंगला सजाया गया, हवन यज्ञ, पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन किया गया। पूरा मंदिर दुधिया रोशनी से जगमगा उठा। प्रातः माता का नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। भक्तों ने उत्साह एवं श्रद्धा भाव के साथ माता रानी के श्रृंगार दर्शन किए। शिव परिवार का भी रुद्राभिषेक किया गया नगर की महिला संकीर्तन मंडली द्वारा सुंदरकांड पाठ का बहुत ही सुंदर वर्णन किया

नगर के विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित सुभाष दीक्षित के पावन सानिध्य में हवन यज्ञ सम्पन्न हुआ जिसमें आहुतियां देकर माता रानी के भक्तों ने जनकल्याण व संपूर्ण



विश्व में मंगल और खुशहाली की कामना की। हवन के उपरान्त कन्या पूजन किया गया। तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। आयोजकों द्वारा मंदिर की वर्षगांठ के अवसर

पर होने वाले अनुष्ठान व कार्यक्रमों को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गईं । इस अवसर पर मंदिर में भव्य फूल बंगला सजाया गया। मंदिर प्रांगण में

भामाशाह की 479 वीं जयंती पर धूमधाम के साथ निकाली शोभायात्रा



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शनिवार को भामाशाह की 479 वीं जयंती के मौके पर नगर में भामाशाह शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक वीरेंद्र सिंह राणा ने फीता काटकर व भामाशाह बंधुओं के साथ भामाशाह की आरती उतार कर किया । शोभायात्रा पुरानी तहसील रोड सिकंदराराऊ से शुरू होकर मंडी गांधीगंज पर संपन्न हुई। शोभायात्रा में कानून व्यवस्था की कमान

कोतवाल विजय कुमार सिंह व कस्बा इंचार्ज मनु यादव फोर्स के साथ संभाले हुए थे।शोभा यात्रा का नौरंगाबाद पश्चिमी में प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के नेतृत्व में स्वागत किया गया और तिराहा बाजार पर भाजपाइयों ने शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

इस मौके पर ब्रजमोहन गुप्ता, जय प्रकाश गुप्ता एडवोकेट, पंकज गुप्ता, विनोद बालाजी, दिनेश गुप्ता, सुमित गुप्ता, चंचल गुप्ता, पारस गुप्ता, राकेश गुप्ता, देवेन्द्र गुप्ता, पंकज बालाजी, ओमप्रकाश गुप्ता, मनोज

महाजन, सुधीर गुप्ता, दीपक गुप्ता, संजीव गुप्ता, कान्हा महाजन, दुष्यंत गुप्ता, गौरी शंकर गुप्ता, बबलू सिसोदिया, राजेश गुप्ता, सतीश गुप्ता, डिम्पल गुप्ता, विकास गुप्ता, संतोष गुप्ता, अमन गुप्ता, आलोक गुप्ता, आशीष गुप्ता, अजय महाजन, राजेश गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता, सुनील गुप्ता, रवि गुप्ता, जयश गुप्ता, मान्या,गुप्ता, हर्षिता गुप्ता, गिरीश मोहन गुप्ता, मुकुल गुप्ता, विशाल वाघण्य, मीरा माहेश्वरी, वैभव वाघण्य, गौरव महाजन, प्रिंस गुप्ता आदि मौजूद रहे।

गंगा घाट पर सेना, एनडीआरएफ की संयुक्त मौक ड्रिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली के कादरगंज घाट पर गंगा के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ संकट को देखते हुए प्रासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। निवार को कादरगंज गंगा घाट पर सेना, पुलिस और एनडीआरएफ के संयुक्त प्रयास से मौक ड्रिल कर लोगों को बचाव के तरीके बताए गए। इस अभ्यास का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल इलियास खान ने किया।कुछ दिन पूर्व में प्रासन द्वारा माकड्रिल का आयोजन कराया गया था। माकड्रिल के दौरान सेना के जवानों ने हाई स्पीड बोट, जेट बोट्स और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया कि किस प्रकार बाढ़ के दौरान कम से कम समय में डूबते व्यक्ति को बचाया जा सकता है।मौक ड्रिल के दौरान एक डूबते व्यक्ति को सुरक्षित निकालकर उसे प्राथमिक उपचार भी दिलाया। माकड्रिल की

आधुनिक उपकरणों से बाढ़ में बचाव का किया अभ्यास, लोगों को बचाव के बताए तरीके

जीवन की रक्षा होती है। हम अब आधुनिक तकनीक से लैस हैं और बेहद कम समय में जान बचाने में सक्षम हैं। आज का अभ्यास इसी तैयारी का हिस्सा है। इस मौके पर एडीएम राकेश पटेल, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारत, एसडीएम प्रदीप कुमार विमल, तहसीलदार जितेंद्र सिंह, सीओ संतोष कुमार, कानूनी पंकज कुमार, लेखपाल विशाल कुमार सहित तमाम प्रासनिक अधिकारी मौजूद रहे। हर साल कादरगंज घाट के आसपास के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे में यह मौक ड्रिल प्रासन की गंभीरता और तैयारी का स्पष्ट संकेत है। ग्रामीणों ने भी सेना और प्रासन के इस प्रयास की सराहना की।

नामकरण समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान मासूम समेत युवक के लगी गोली

गम्भीर हालत में पुलिस द्वारा दोनो घायलों को जिला चिकित्सालय में कराया भर्ती, रेफर



पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश की शुरु

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के गांव नगला हंसी ने शुकवार की शाम को एक नामकरण समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की घटना हो गई। जिसमें सुरज और आर्यन को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है।

चार वर्षीय मासूम के साथ 30 वर्षीय युवक ने किया दुष्कर्म

बिस्कुट व चाकलेट का लालच देकर अपने घर ले गया था युवक अपनी मां के साथ निहाल गई थी मासूम बच्ची

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र में 30 वर्षीय युवक द्वारा चार वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। वहीं जानकारी पर पहुंची पुलिस ने मासूम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ उसका उपचार जारी है। वहीं पुलिस ने मासूम की मां की तहरीर पर आरोपी प्रदीप के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि घटना कासगंज कोतवाली क्षेत्र की है। बताया जाता है कि कासगंज कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली चार वर्षीय मासूम ब्रीते

दिन अपनी मां के साथ क्षेत्र के ही एक गाँव में अपनी निहाल में गई हुई थी। ब्रीते देर शाम ताताप्रदीप कालोनी निवासी 30 वर्षीय प्रदीप जोशी पुत्र पप्पू जोशी ने मासूम को चॉकलेट का लालच देकर अपने घर के ऊपर मंजिल पर बने कमरे में ले गया। वहाँ प्रदीप ने मासूम के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर आरोपी और बच्चे के आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े। लोगों को आता देख, प्रदीप मौके से फरार हो गया। वहीं मासूम के परिजनो ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही, पुलिस मौके पर पहुंची और मासूम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उसका उपचार जारी है। पुलिस ने मासूम की मां की तहरीर पर आरोपी प्रदीप के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पावभाजी बेचने वाले बुजुर्ग से छल — नगर निगम की कार्रवाई ने छीन लिया रोजगार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। आगरा से वायरल हो रहे एक वीडियो ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में सैंट जॉन्स चौराहे पर वर्षों से पावभाजी की रेहड़ी लगाने वाले बुजुर्ग विजेंद्र फूट-फूटकर अपनी पीड़ा साझा करते नजर आ रहे हैं। वे बताते हैं कि नगर निगम ने पहले रेहड़ी वालों का सर्वे कराया, यह कहकर कि उन्हें वैकल्पिक रूप से पक्की दुकानें दी जाएंगी। लेकिन जब भरोसा कर विजेंद्र ने पूरा सहयोग किया तो बाद में उनके साथ ऐसा बर्ताव हुआ जैसे कोई अपराध किया हो। बुजुर्ग का आरोप है कि नगर निगम के अधिकारियों ने यह कहकर उनकी रेहड़ी हटवा दी कि उनके नाम पहले से दुकान है, जबकि उन्होंने न कभी कोई दुकान ली, न ऐसी किसी व्यवस्था से वाकिफ थे। यह संफेद झूठ बताकर न केवल उनकी रोजी रोटी छीनी गई बल्कि उनके स्वाभिमान को भी ठेस पहुंचाई गई। वायरल वीडियो में बुजुर्ग भावुक होकर कहते हैं, मैं पावभाजी बेचकर अपने बच्चों को पालता हूँ, किसी से भीख नहीं मांगता। इन्होंने कहा था दुकान दोगे, मगर अब रेहड़ी तक छीन ली। मैं काहें जाऊँ?

इस पूरे घटनाक्रम के पीछे की सच्चाई और भी चौंकाने वाली है। स्थानीय लोगों और सूत्रों के मुताबिक, विजेंद्र जैसे कई छोटे दुकानदार नगर निगम के कुछ कर्मचारियों और उनसे जुड़े कथित उगाही



गिरोह को पैसे नहीं दे पाए। यही वजह रही कि उनकी रेहड़ी को हटवाया गया, जबकि जो दुकानदार पैसा देते हैं, उनकी अवैध रेहड़ियाँ ज्यों की त्यों खड़ी हैं। नगर निगम की इस कार्रवाई से लोगों में नाराजगी है। आसपास के व्यापारियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि विजेंद्र पिछले कई सालों से शांति और ईमानदारी से अपनी रेहड़ी चला रहे थे, किसी को कोई शिकायत नहीं थी। लेकिन जब वे कथित रूप से हार्डिस्टम को हिस्सा नहीं दे पाए, तो टारगेट बना दिए गए।

वायरल वीडियो और सामने आए आरोपों ने यह सवाल मजबूती से खड़ा किया है कि क्या अब मेहनत करने वाले गरीबों को सिर्फ इसलिए सजा दी जा रही है क्योंकि वे भ्रष्टाचार का हिस्सा नहीं



बनते? क्या नगर निगम वाकई में जनसेवा की भावना से कार्य कर रहा है या फिर गरीबों को उजाड़ने का नया जरिया बन गया है? इस मामले में अब तक नगर निगम की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं आया है, लेकिन वायरल हो रहे वीडियो और उसमें सामने आई बुजुर्ग की दयनीय स्थिति को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि प्रशासन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए। यदि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार, पक्षपात या दमन की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई होनी चाहिए। विजेंद्र जैसे हजारों छोटे दुकानदारों की रोजी-रोटी अगर इसी तरह छीनी जाती रही तो वह दिन दूर नहीं जब सड़क पर ईमानदारी से काम करने वाला व्यक्ति भी खुद को असुरक्षित महसूस करने लगेगा।



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना एम्माहौला क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब शनिवार सुबह यमुना नदी में एक अज्ञात युवक का शव बहता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने जब शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बाहर निकलवाया और पहचान की कोशिश शुरू की। मृतक के पास से आधार कार्ड मिलने पर उसकी पहचान भावेश जोशी के रूप में हुई, जो अहमदाबाद के रहने वाले थे और जिनकी उम्र लगभग 42 वर्ष बताई गई है।

शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि युवक की मौत कैसे हुई। क्या यह आत्महत्या का मामला है, दुर्घटना से मौत हुई या फिर यह किसी आपराधिक साजिश का नतीजा है—इन सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि मृत्यु का कारण स्पष्ट हो सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गहन छानबीन में जुटी हुई है और मृतक के परिजनों से भी संपर्क करने की कोशिश कर रही है।

कलावती नर्सिंग एण्ड पैरामेडीकल इन्सटीट्यूट में पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन



पेड़-पौधे मानव जीवन के लिये अत्यन्त आवश्यक है— डॉ0. नवीन चन्द्र गौड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। कलावती नर्सिंग एण्ड पैरामेडीकल इन्सटीट्यूट, गोरहा में अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के निदेश पर पौधारोपण कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालय के आस-पास स्थानों

पर संस्था के सचिव डॉ0. नवीन चन्द्र गौड़ के नेतृत्व में महाविद्यालय में पौधे लगाये गये। जिसका उद्देश्य हरित क्षेत्र बढ़ाकर पर्यावरण को संरक्षण देना है।

जिसमें वन विभाग नर्सरी से उपलब्ध विभिन्न तरह के पौधों को लगाया गया। इस मौके पर संस्था के सचिव डॉ0. नवीन चन्द्र गौड़ ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिये अत्यन्त आवश्यक है एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इस

अवसर पर संस्था की चेयरमैन डॉ0. नीलम गौड़, निदेशक श्री संजय अग्रवाल, श्री मगन माहेश्वरी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण प्रो0. लोकेश कुमार, लोकेश कुमार, संस्था कुशवाह, अंकिता हरमन, छत्रपाल साहू, सुखवीर सिंह, सौम्यापाल, रिया गार्डनर, अंशिका, काजल, गुंजन, खुशबू, तुत्ती श्री आर0. पी0. भारद्वाज, गोपाल श्रीवास्तव, शुभम वर्णय, प्रवेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

अवैध शराब की बिक्री से ग्रामीणों में रोष इंसपेक्टर फतेहाबाद को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बरना गांव में अवैध शराब की दुकानें सजी हुई हैं। न तो इनका कोई खुलने का समय है और न ही बंद होने का। जिससे गांव के युवाओं में शराब की आदत पड़ती जा रही है। इसी को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष थाना फतेहाबाद पहुंचकर इंसपेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही करने की मांग की गई है। बरना गांव के ग्रामीण थाना फतेहाबाद पहुंचकर इंसपेक्टर डीपी तिवारी से मुलाकात कर उन्हें अवगत कराया गया कि गांव में की स्थानों पर अवैध शराब की दुकानें खुल गई हैं। जो परचून की दुकानों पर संचालित हो रही हैं। जिनका न तो बंद होने का समय है और न ही खुलने का। जब चाहे तब शराब खरीदी जा सकती है। युवा शराब के आदी होने के कारण उनके बच्चों का भविष्य चोपट हो रहा है। साथ ही नशें में अपनी पत्नियों के साथ



मारपीट करते हैं। जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। उन्होंने आवकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्यवाही की मांग की गई। इंसपेक्टर डीपी तिवारी ने उन्हें आश्वासन दिया कि अवैध शराब किसी भी कीमत पर बिक्री नहीं करने दी जाएगी। आवकारी विभाग के साथ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में कांति देवी, अनीता, देवेंद्र, राजू, धर्मेन्द्र कुमार, परशुराम, गया प्रसाद, हरिओम, कृष्णा, पप्पू लाल सेठ, प्रेम सिंह, चंपाराम, बंटू, तुहीराम, माखन, जयश्रीराम, मीना देवी, अशोक कुमार, वीरेंद्र सिंह, दीपचंद्र, प्रमोद कुमार मौजूद रहे।

ताज-रॉयल अपार्टमेंट के बेसमेंट में खड़ी कार में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना ताजगंज क्षेत्र स्थित ताज-रॉयल अपार्टमेंट के बेसमेंट में शुक्रवार रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब वहां खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। कार से धुआं उठता देख लोगों में हड़कंप मच गया और चंद ही मिनटों में वह आग के गोले में तब्दील हो गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीमों मौके पर पहुंची और एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

गनीमत रही कि आग अन्य किसी गाड़ी तक नहीं पहुंची और कोई जनहानि नहीं हुई। अपार्टमेंट में रहने वाले इसके शर्मा की कार रात करीब 9 बजे बेसमेंट में खड़ी की गई थी। थोड़ी देर बाद ही उसमें धुआं उठने लगा और फिर आग की लपटें दिखाई देने लगीं। बेसमेंट में तेजी से



धुआं फैल गया, जिससे घबराए निवासी बाहर निकल आए। आग की लपटें देख सुरक्षा गार्ड भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। बेसमेंट में करीब 50 से अधिक अन्य गाड़ियां भी खड़ी थीं, जिन्हें समय रहते बाहर निकाल लिया गया।

आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमों मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, जिसकी जांच की जा रही है।

एडीजी ने ली सपा नेता के स्वास्थ्य की जानकारी



मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अनुभूति सेवा समिति केंद्र सिद्धपुरा के प्रेण्णास्नोत व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एडीजी अंशुमान यादव शनिवार को सिद्धपुरा क्षेत्र के गांव दामरी पहुंचे। वहां उन्होंने समाजवादी पार्टी कासगंज के जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मनसिंह यादव के आवास पर पहुंचकर मुलाकात की

और उनका स्वास्थ्य का हाल जाना। बता दें कि सपा नेता लक्ष्मनसिंह यादव का कुछ समय पूर्व हर्निया का ऑपरेशन हुआ था। इसके बाद एडीजी यादव ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की और उनके सुख-दुख में सहभागिता निभाई। इस दौरान उनके साथ रामरहीस सिंह यादव, बबलू गुप्ता, वीरभान सिंह

परिहार, राधे, श्याम सिंह यादव, जुर्गेद सिंह यादव, जितेंद्र सिंह, अंकुर यादव, गुग्गीत यादव, सोनू यादव, इंद्रेश यादव, विवेक कुमार, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, महेश चंद्र, मुनीश कुमार, मुनेन्द्र यादव, पुषेंद्र यादव, टिंकू यादव, रनसिंह यादव, प्रांत यादव, श्यामू यादव, आशीष यादव, रोहित यादव ग्रामीण मौजूद रहे।

विदुर-विभीषण प्रसंग सुन भावविभोर हुए भक्त, कथा में उमड़ा आस्था का सैलाब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। बरहन कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष और साधु-संत कथा स्थल पर एकत्र हुए और आचार्य श्री विष्णु चेतन जी महाराज के दिव्य वाणी से भक्तिरस का अमृतपान किया। उन्होंने विदुर और विभीषण जैसे धर्मनिष्ठ चरित्रों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि जब तक सज्जन पुरुष अधर्मियों की संगति में रहते हैं, तब तक अधर्म फलता-फूलता है, लेकिन उनके त्यागते ही विनाश का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। जैसे ही विदुर ने कौरवों और विभीषण ने रावण की संगति छोड़ी, हस्तिनापुर और लंका का अंत शुरू हो गया। कथा के दौरान आचार्य ने जीवन के गूढ़ आध्यात्मिक रहस्यों को सरल भाषा में



समझाते हुए कहा कि ईंसान को अपनी इइंदियों

का प्रयोग केवल भगवान के लिए करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जो श्रृंगार प्राणी स्वयं के लिए करता है, वही उसके पतन का कारण बनता है। भौतिक सुख, आभूषण और मोह-माया साथ नहीं देते, प्रभु भक्ति ही अंतिम सत्य है। महाराज ने यह भी कहा कि जो कान कभी भागवत कथा नहीं सुनते वे मृत सप की भांति हैं और जो जीप भगवान का नाम नहीं लेती, वह व्यर्थ जीवन का प्रतीक है। मौसम ने भी जैसे भक्तों के साथ सहभागिता की और कथा के दौरान तेज हवाओं के साथ गर्मी से राहत मिली। श्रद्धालुओं ने इसे प्रभु कृपा का संकेत माना। आचार्य ने आगे कहा कि साधक को एकग्रचित होकर प्रभु

लगाना चाहिए। यही असली मुक्ति का मार्ग है। कथा के अंत में उन्होंने कहा कि जिस भी परिवार में भक्ति और प्रभु का स्मरण होता है, वह परिवार सदैव तरक्की करता है। शिव मंदिर परिसर में महंत बाबा रघुनी की अगुवाई में आयोजित इस कथा में अरविंद धाकर, रामनाथ सिंह यादव, उनकी पत्नी गुड्डी देवी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्यजन और श्रद्धालु उपस्थित रहे। वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिकता और भक्ति रस में डूबा रहा। शुक्रवार की देर शाम कथा के उपरांत भजन कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें नगर के कीर्तन मंडल द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। सजीव भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर भक्तों मिली। श्रद्धालुओं ने इसे प्रभु कृपा का व्यक्त किया। श्रद्धा और उल्लास से भरे इस आयोजन में भक्ति का माहौल देर रात तक बना रहा।



ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगो को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑक्लेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनका आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्युलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मकरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग ग्रेमी वाइट या

हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पतियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पतियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पतियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन घ्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊपर से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टेक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।



जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्य मछली

‘मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है, हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी’ मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन ‘पर्य’ नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्य मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्य में पाए जाने वाले

कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे ‘आरोही’ मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्य मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।



रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। इकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुकसान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नु (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हैं, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में ये यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-



तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग

खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक

मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक कारूबेल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बूओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राए की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बूओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।



कि सी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिविस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को टिविस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटेरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यू टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द ‘टोनाडा’ से बना है जिसका मतलब है ‘थंडरस्ट्रॉम’। टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैंब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटोर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटोर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के ‘टॉरनेडो ऐली’ रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए ‘पल्स डॉप्लर राडार’ की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की प्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है। सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेवर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो

सकते हैं तो कभी मिटटी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाद वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पैसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफतार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

जाना है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है। इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे ‘आई’ यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के बिदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी

अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है। इनका टायफून नाम अरबी भाषा के ‘तूफान’ शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक माथथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस ‘टायफोन’ से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता ‘हुराकान’ को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।





काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को कहा था हांटेड, विवाद बढ़ने पर दी सफाई

एक्ट्रेस काजोल को हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी को हांटेड कहने पर आलोचना का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बयान को लेकर सफाई दी है। सोमवार को काजोल ने अपने आधिकारिक अकाउंट पर लिखा, मैं अपनी फिल्म माँ के प्रमोशन के दौरान दिए गए उस बयान को स्पष्ट करना चाहती हूँ, जिसमें मैंने रामोजी फिल्म सिटी का जिक्र किया था।

काजोल ने कहा, मैंने कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग रामोजी फिल्म सिटी में की है और वहाँ कई बार रुकी भी हूँ। यह हमेशा एक बहुत प्रोफेशनल जगह रही है। मैंने वहाँ कई ट्रिस्ट को एंजॉय करते हुए देखा है। यह एक शानदार डेस्टिनेशन है और बच्चों व परिवारों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है।

काजोल ने क्या कहा था?

बता दें कि गैलूड इंडिया को दिए इंटरव्यू में जब काजोल से पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी नेगेटिव एनर्जी महसूस की है, तो उन्होंने कहा था, इसे आप नेगेटिव एनर्जी कहें या वाइल्ड, लेकिन कभी-कभी जब आप किसी जगह पर जाते हैं, तो महसूस होता है कि कुछ ठीक नहीं है। मैंने ऐसी जगहों पर शूट किया है जहाँ मुझे पूरी रात नींद नहीं आई और लगा कि बस यहाँ से निकल जाऊँ। ऐसी बहुत सी जगहें हैं। बातचीत में काजोल ने ये भी कहा था, एक प्रमुख उदाहरण है रामोजी राव स्टूडियो, जो दुनिया की सबसे हांटेड जगहों में गिना जाता है। हालाँकि, मैं लकी रही हूँ कि मुझे वहाँ कुछ भी ऐसा अनुभव नहीं हुआ। काजोल के इस बयान पर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। बता दें कि फिल्म माँ 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।



जन नायकन से फिल्मों को अलविदा कहेंगे विजय

साउथ एक्टर थलापति विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने जन नायकन के लिए 275 करोड़ रुपये की फीस ली है। हालाँकि, उन्हें फिल्म के प्रॉफिट में कोई हिस्सा नहीं मिलेगा। जन नायकन को एच विनोद ने डायरेक्ट और केवीएन प्रोडक्शंस प्रोड्यूस किया है। विजय के साथ फिल्म में पूजा हेगड़े और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि ममिता बैजू, गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण और प्रियमणि सपोर्टिंग रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म को पहली बार सितंबर 2024 में थलापति 69 के टाइटल के साथ अनाउंस किया गया था, क्योंकि यह विजय की 69वीं फिल्म है। आधिकारिक टाइटल जनवरी 2025 में सामने आया। इसकी शूटिंग फरवरी 2025 से चेन्नई और पयनूर में शुरू हुई। म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंद्र ने दिया है। जन नायकन 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं सान्विका जॉब नहीं करना चाहती थीं

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई है।

असली नाम नहीं था सान्विका
मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मी सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका
एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेकर काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्व करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहाँ तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया। पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुई सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-

पिता से झूट बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूट बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था। माता-पिता से झूट बोलकर पहुंची मुंबई सान्विका अपने पेरेंट्स से झूट बोलकर मुंबई पहुंची थीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आई नजर, पंचायत से मिली पहचान
करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालाँकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है। पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थीं, लास्ट में जहाँ वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी
पंचायत में काफी सिंपल नजर आई रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालाँकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालाँकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ट फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डुबल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्डन अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जुग जुग जियो एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे राज मेहता ने डायरेक्ट किया था।



इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा
जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है! जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जैकलीन का करियर
जैकलीन फर्नांडीज को हाल ही में कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में देखा गया था, जिसमें जैकलीन के अलावा अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपदे, डिनो मोरिया, रंजीत, सीडिया शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हुई थी।



फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार को लेने पर मीका सिंह ने की दिलजीत की आलोचना

अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ फिल्म सरदार जी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस महीने रिलीज के लिए प्रस्तावित इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से दिलजीत की जमकर आलोचना हो रही है। दरअसल, इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर भी हैं, जिनकी झलक ट्रेलर में भी नजर आई। पहलगाय आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास आ चुकी है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी अभिनेत्री को अपनी फिल्म में जगह देने पर दिलजीत की आलोचना हो रही है। इस पर अब सिंगर मीका सिंह ने भी रिएक्शन दिया है। मीका सिंह ने मंगलवार को अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, देश पहले। दोस्तों, जैसा कि हम सभी जानते हैं, भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते इस समय ठीक नहीं चल रहे हैं। फिर भी कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना

हरकतें कर रहे हैं। सीमा पार के कलाकारों से जुड़ा कोई भी कंटेंट जारी करने से पहले उन्हें दो बार सोचना चाहिए, खासकर जब हमारे देश की गरिमा की बात हो। आगे लिखा है, फवाद खान और वाणी कपूर की एक फिल्म थी जिसका हममें से कई लोगों ने विरोध किया था, लेकिन फिर भी कुछ लोगों को संदेश समझ में नहीं आ रहा है। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि एक नकली गायक, भारत में 10 शो करने के बाद, जिसमें हजारों प्रशंसकों ने टिकट खरीदे थे, अब गायब हो गया है, जिससे प्रशंसक धोखा खा गए और असहाय हो गए हैं। मीका सिंह ने कहीं भी दिलजीत दोसांझ का नाम नहीं लिया है। मगर, उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर जो पोस्ट शेयर किया है, उसमें दिलजीत की तस्वीर है। इससे साफ है कि मीका का इशारा दिलजीत की तरफ है। बताते चलें कि रविवार को सरदार जी 3 का ट्रेलर

रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आई। यह देखकर सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, हानिया आमिर ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त भारत के बारे में भला-बुरा कहा था। इसी बात पर लोगों ने दिलजीत की फिल्म

के बायकॉट की मांग शुरू कर दी। विवाद बढ़ा तो यह तय किया गया कि अब 'सरदार जी 3' भारत में रिलीज नहीं होगी। इसको सेंसर का सर्टिफिकेट नहीं मिला। दिलजीत की पंजाबी फिल्म ओवरसीज ही रिलीज हो रही है।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बॉलड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालाँकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

